शांति हीरानंद

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (सुगम संगीत)

SHANTI HIRANAND

Akademi Award: Other Major Traditions of Music – Sugam Sangeet

Born on 29 October 1932 at Lucknow in Uttar Pradesh, Shrimati Shanti Hiranand received her initial training in music from Shri Aijaz Hussain Khan of Rampur gharana and later trained under the tutelage of the celebrated Begum Akhtar. She belonged to the Rampur gharana initially, and subsequently to the Kirana gharana and Lucknow Ang of Thumri gayaki.

Shrimati Hiranand had performed in many prestigious music festivals in India and abroad. She had also conducted many workshops and lecture-demonstrations during many seminars within the country and abroad. She had authored many books including *Begum Akhtar – The Story of my Ammi*. Shrimati Shanti Hiranand had trained many students. She was the founder of Begum Akhtar Grave Trust, Lucknow (Uttar Pradesh); and had also associated with many prestigious cultural institutions such as I.C.C.R. and All India Radio. She had many recordings to her credit.

For her excellence in the field of Sugam Sangeet, Shrimati Shanti Hiranand received numerous titles and awards including the Lifelong Achievement Award conferred by the Sindhi Academy; the Sahitya Kala Parishad Award bestowed by the Government of NCT of Delhi; and the Padma Shri conferred by the Government of India (2007).

To our deep regret, Shrimati Shanti Hiranand passed away on 10 April 2020 at Gurugram after her selection as Sangeet Natak Akademi Awardee by the General Council of the Akademi. The Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 is conferred on Shrimati Shanti Hiranand for her contribution to Hindustani Sugam Sangeet.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 29 अक्टूबर 1932 को जन्मी श्रीमती शांति हीरानंद ने संगीत का प्रारम्भिक प्रशिक्षण रामपुर घराने के श्री एजाज हुसैन खान से प्राप्त किया और बाद में सुप्रसिद्ध गायिका बेगम अख्तर के संरक्षण में अपनी गायिकी को निखारा। आप शुरू–शुरू में रामपुर घराने से जुड़ी थीं, लेकिन बाद में आपने किराना घराना और ठुमरी गायकी के लखनऊ अंग को अपना लिया था।

श्रीमती हीरानंद ने देश-विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी थी। आपने देश.विदेश में बहुत सी संगोष्ठियों के दौरान कार्यशालाओं और व्याख्यान-प्रदर्शनों का भी आयोजन किया था। आपने बेगम अख्तर–द स्टोरी ऑफ माई अम्मी समेत कई पुस्तकों की रचना की थी। श्रीमती शांति हीरानंद ने कई छात्रों को संगीत में प्रशिक्षित भी किया था। आप बेगम अख्तर ग्रेव ट्रस्ट, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की संस्थापक थीं; और कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों यथा आई. सी. सी. आर. और आकाशवाणी आदि से भी जुड़ी रही थीं। आपके गायन की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

सुगम संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रीमती शांति हीरानंद को अनेक पुरस्कारों व उपाधियों से सम्मानित किया गया था, जिनमें सिंधी एकेडमी द्वारा दिया गया लाइफलौंग अचीवमंट अवॉर्ड; राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान किया गया साहित्य कला परिषद पुरस्कार; और भारत सरकार द्वारा दिया गया पदमश्री सम्मान प्रमुख हैं।

अकादेमी की महापरिषद द्वारा वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार के लिए चयन के बाद श्रीमती शांति हीरानंद का 10 अप्रैल 2020 को गुरुग्राम में निधन हो गया। हमें इसका गहरा खेद है। सुगम संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती शांति हीरानंद को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018